|  |
| --- |
| 14. September |
| **Fest Kreuzerhöhung** |
| Erste Lesung: Num 21,4-9; Zweite Lesung: Phil 2,6-11; Evangelium: Joh 3,13-17 |
| Eröffnung: | GL 299, 1+4-6 | Der König siegt, sein Banner glänzt |
|  | GL 749, 1+4+6+7 | Des Königs Banner |
| Kyrie: | GL 163, 1 | Herr Jesus |
|  | GL 154 | Herr, erbarme dich |
| Gloria: | GL 170 | Allein Gott in der Höh sei Ehr |
|  |  |  |
| Antwortgesang: | Psalm 78,1-2.34-39 |  |
|  | Kehrverse: |  |
|  | GL 296 | Im Kreuz ist Heil |
|  | GL 517 | Der Herr vergibt die Schuld |
|  | Oder |  |
|  | GL 560, 1+5 | Christus Sieger |
|  |  |
| Halleluja-Ruf: | GL 174, 1 |  |
|  | Vers: |  |
|  | *Christus war für uns gehorsam bis zum Tod,* |
|  | *bis zum Tod am Kreuz.* |
|  | *Darum hat ihn Gott über alle erhöht* |
|  | *und ihm den Namen verliehen, der größer ist als alle Namen.* |
|  | **Oder** |
|  | *Wir beten dich an, Herr Jesus Christus, und preisen dich;* |
|  | *denn durch dein heiliges Kreuz hast du die Welt erlöst.* |
|  |  |
| Credo: | Sprechen |
|  |  |  |
| Gabenbereitung: | GL 187, 1+2 | Wir weihn der Erde Gaben |
| Sanctus: | GL 194 | Heilig |
| Agnus Dei: | GL 747 | Gottes Lamm, Herr Jesu Christ |
|  | GL 203 | O Lamm Gottes unschuldig |
|  | GL 497, 5 | Denkmal, dass uns mahnet |
|  |  |  |
| Danksagung: | GL 772, 1+2 | Gelobt sei Jesus Christus |
|  | GL 213, 1+2 | O wunderbare Speise |
|  | GL 211 | Wir rühmen dich König |
| Schluss: | GL 294, 1+4+8+9 | O du hochheilig Kreuze |
|  | GL 270, 1-3 | Kreuz, auf das ich schaue |
|  | GL 297, 1-4 | Wir danken dir, Herr Jesu Christ |
|  | GL 359, 1-4 | O selger Ursprung |
|  | GL 532 | Christi Mutter |